

मेरी सिया राज दुलारी गिरिजा पूजो प्यारी ।
आज्ञा आज गुरु बाबा की मन वांछित वर ल्यारी ॥
वर दायनि त्रिपुरारि प्यारी आश पुजावे तुम्हारी ।
अपने साथ की सखी चतुर जे से सब लेहु हंकारी ॥
उमा रमा शची सावित्री देवी सरस्वती सत वारी ।
नैन पूतरी एवं वैदेही करनि सदां रखवारी ॥
भूनंदनि सदा अजर अमर हो यही मैं मनशा धारी ।
कोटि कल्प लगि कुशल मनावं गरीबि श्री खण्ड बलहारी ॥